CBSE Class 12 Geoagraphy

Important Questions

(भाग – 2)

पाठ – 4

मानव बस्तियां

अध्याय को संक्षेप में जाने (लघु उत्तरीय प्रश्न):-

प्र-1 ग्रामीण बस्तियों में मुख्य रूप से किस तरह के आर्थिक क्रियाकलाप होते हैं?

उत्तर- प्राथमिक क्रियाकलाप। गांवों में आर्थिक क्रियाकलापों में लोगों का 75 प्रतिशत प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं में संलग्न होता है।

प्र-2 ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं क्षेत्रों का मिलान करें।

गुच्छित बस्तियां	A. मेघालय, उत्तरांचल
अर्द्धगुच्छित बस्तियां	B. छत्तीसगढ़, हिमालय की निचली घाटी मध्य व निम्न गंगा का मैदान
पल्ली बस्तियां	C. गंगा की उपजाऊ जलोढ़ मैदान, राजस्थान
परिक्षिप्त बस्तियां	D. गुजरात के मैदान, पश्चिम बंगाल

उत्तर:- 1. A. 2. B 3. C 4. D

(एक अंक के लिए यह प्रशन एक प्रकार की बस्ती से संबंधित हो सकता है)

प्र-3 विकसित होने के समय के आधार पर निम्नलिखित नगरों को वर्गीकृत करें?

A. पाटलिपुत्र (पटना), B. हैदराबाद, C. पांडिचेरी।

उत्तर:- A. पटना - प्राचीन

B. हैदराबाद - मध्यकालीन नगर

C. पांडिचेरी - आधुनिक नगर

प्र-4 भारत में नगर की श्रेणी में शामिल होने के लिए न्यूनतम जनसंख्या सीमा क्या है?

उत्तर- जनसंख्या 5000 व्यक्ति एवं जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर।

प्र-5 महानगर एवं मेगानगर में क्या अंतर है ?

उत्तर- दस लाख से पचास लाख की जनसंख्या वाले नगरों को महानगर तथा पचास लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों को मेगानगर कहते हैं।

प्र-6 एक नगर से चारों तरफ उससे जुड़े हुए कई नगरों का विकास हो जाता है तो इसे क्या कहते हैं?

उत्तर- नगरीय संकुल।

प्र-7 2001 की जनसंख्या के अनुसार, भारत में दस लाख की जनसंख्या से अधिक वाले कितने नगर हैं?

उत्तर- 35 नगर।

उत्तर विस्तार से (तीन अंकों वाले प्रश्न)

प्र-8 भारत की ग्रामीण बस्ती एवं नगरीय बस्ती में आधारभूत अंतर स्पष्ट करें (कोई तीन अंतर)

उत्तर- अंतर निम्नलिखित है:-

ग्रामीण बस्ती

(1) यहां के लोग अपने जीवन यापन के लिए अधिकतर प्राथमिक क्रियाकलाप पर निर्भर करते हैं जैसे कृषि, पशुपालन आदि।

(2) ग्रामीण बस्तियों में उत्पादित सब्जी, फल-फूल, अनाज आदि जैसे उत्पाद, नगरीय बस्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।

(3) ग्रामीण लोग एक स्थान छोड़कर दूसरे स्थान जाकर बसने के बारे में कम सोचते हैं अतः उनमें सामाजिक संबंध प्रगाढ़ होते हैं। ग्रामीण बस्तियों के निवासियों में क्षैतिज गतिशीलता कम होती है।

नगरीय बस्ती

(1) नगरीय बस्तियों में द्वितीयक एवं तृतीयक तथा विभिन्न प्रकार की सेवाओं की प्रधानता होती है।

(2) नगरीय बस्तियों के विनिर्माण उद्योग के उत्पाद ग्रामीण बस्तियों में जाते हैं। परिवहन एवं संचार माध्यम के जरिए यह कार्य संपन्न होता है।

(3) शहरों में क्षैतिज गतिशीलता अधिक पाई जाती है अर्थात लोग एक जगह जाकर बस जाते हैं।

(4) उनमें सामाजिक संबंधों में औपचारिकता अधिक होती है।

प्र-9 वे कौन से कारक है जो ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों को निर्धारित करते हैं?

उत्तर- (1) **भौतिक लक्षण:**- किसी भूभाग का पर्वतीय या मैदानी होना बस्तियों के बसाव को प्रभावित करता है मैदानी भागों में घर पास-पास होते हैं जबकि पहाड़ी भागों में घर दूर-दूर बनते हैं। इसी तरह जलवायु, जल की सुविधा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(2) **सांस्कृतिक एवं मानवजातीय कारक:** - सामाजिक संरचना जैसे जाति धर्म भी बस्तियों की संरचना को प्रभावित करते हैं जैसे उच्च जाति के लोगों के घर गांव के केंद्र में तथा निम्न जातियों के घर परिधि पर होना या अलग-अलग जातियों के अलग समूहों में बसना आदि।

(3) **सुरक्षा:** - सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए (चोरी, जंगली जानवरों से) गांव में लोग सटे हुए मकान बनाते हैं।

प्र-10 प्रकार्य के आधार पर भारतीय नगरों को छह प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत करें। उदाहरण भी दीजिए?

उत्तर- भारतीय नगरों को उनमें होने वाले कार्यों की प्रमुखता के आधार पर कई भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है उनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं:-

(1) **प्रशासन शहर:** - वे शहर या नगर जहां उच्चतर क्रम के प्रशासनिक मुख्यालय होते हैं जैसे दिल्ली, चंडीगढ़ आदि।

(2) **औद्योगिक नगर:** - जिन नगरों में उद्योगों की प्रधानता हो जैसे-मुंबई, सेलम, जमशेदपुर।

(3) **परिवहन नगर:** - कुछ नगर पत्तन के रूप में आयात-निर्यात में संलग्न रहते हैं जैसे कांडला, कोच्चि, विशाखापट्नम।

(4) **खनन नगर:** - जैसे रानीगंज, झरिया, डिगबोई आदि।

(5) **गैरिसन (छावनी) नगर:** - अंबाला, मेरठ

(6) **धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर:** - जैसे वाराणसी, मथुरा, अजमेर आदि।

प्र-11 निम्नलिखित तालिका को ध्यान से पढ़िए एवं प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वर्ग	जनसंख्या आकर	संख्या	जनसंख्या दस लाख में का %	नगरीयजनसंख्या 1991-01	प्रतिशत वृद्धि
1.	100,000 और अधिक	423	172.04	61.48	23.12
2.	50,000 से 99,999	498	34.43	12.3	43.45
3.	20,000 से 49,999	1386	41.97	15.0	46.19
4.	10,000 से 19,999	1560	22.6	8.08	32.94
5.	5000 से 9999	1057	7.98	2.85	41.49
6.	5000 से कम	227	0.8	0.29	21.21

प्र-A भारत की अधिकतम जनसंख्या (नगरीय) किस वर्ग के नगरों में रहती हैं?

प्र-B किस वर्ग के नगरों की संख्या सर्वाधिक है?

प्र-C 1991 से 2001 के बीच किस प्रकार के नगरों की प्रतिशत वृद्धि सबसे अधिक दर्ज की गई है?

उत्तर- A प्रथम वर्ग के नगरों में
B चतुर्थ वर्ग के नगरों की
B तृतीय वर्ग के नगरों में

प्र-12 कोई नगर नगरीय संकुल कब बन जाता है?

उत्तर- कोई नगर नगरीय संकुल बन जाता है जब निम्न तीन में से कोई परिस्थिति बन जाती हैः-
(1) नगर एवं उससे संलग्न विस्तार
(2) विस्तार सहित या बिना विस्तार के जब दो या अधिक नगर मिल जाते हैं।
(3) एक नगर या उससे सटे हुए या एक से अधिक नगर और उन नगरों के क्रमिक विस्तार जैसे रेलवे कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, पत्तन क्षेत्र या सैनिक छावनी को मिलाकर नगरीय संकुल बन जाता है।

प्र-13 भारत की ग्रामीण बस्तियों को कितने प्रकारों में रखा जा सकता है? सभी के नाम लिखे एवं किन्हीं तीन का वर्णन करें?

उत्तर- वृहत तौर पर भारत की ग्रामीण बस्तियों को चार प्रकारों में रख सकते हैं:-

(1) **गच्छित बस्तियां:** - इन बस्तियों में घरों का समूह बहुत पास-पास होता है। इन गांवों में आवास स्थान एवं खेत खलिहान और चारागाह क्षेत्र स्पष्ट रूप से अलग होते हैं। ये बस्तियां आयाताकार, अरीय रैखिक आदि प्रतिरूपों में मिलती है और उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में पाई जाती है सुरक्षा कारणों से बंुदेलखंड, नागालैंड में तथा जल के अभाव के कारण राजस्थान में ये बस्तियां मिलती हैं।

(2) **अर्द्धगुच्छित बस्तियां:** - किसी बड़े गांव में समाज का कोई वर्ग किन्हीं कारणों से मुख्य गांव से दूर रहने लगता है। इस तरह अर्द्धगुच्छित बस्तियों का जन्म होता है। इस तरह की बस्तियां गुजरात एवं राजस्थान के कुछ भागों में पाई जाती हैं।

(3) **पल्ली बस्तियां:** - इस प्रकार की बस्ती अनेक भागों में बंटी होती है किंतु बस्ती का नाम एक ही होता है इस बस्ती की इकाइयों को स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाणी इत्यादि नाम से जानते हैं। ऐसे गांव मध्य एवं निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़, हिमालय की निचली घाटियों में पाए जाते हैं।

प्र-14 पल्ली बस्तियां क्या है? भारत के किन्हीं दो क्षेत्रों के नाम बताए जहां इस प्रकार की बस्तियां पाई जाती है? (सीबीएसई 2013)

उत्तर- वे बस्तियां जो किसी बड़े गांव से अलग छोटे-छोटे समूहों में बस जाती है लेकिन वे उसी बड़े गांव का ही हिस्सा होती है इन्हें अलग-अलग जगहों में अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है जैसे पल्ली, नंगला, ढ़ाणी, पुखें आदि।
ये बस्तियां छत्तीसगढ़ एवं हिमालय की निचली घाटियों में पाई जाती है।

मानचित्र संबंधी प्रश्न

प्र- भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाए?

(1) भारत का सबसे बड़ा नगरीय संकुल (2) भारत के प्रमुख मेगा नगर (3) उत्तर भारत का एक प्राचीन नगर (4) एक शैक्षिक नगर (5) एक पर्यटन नगर

उत्तर- मानचित्र